D.A.V. PUBLIC SCHOOL, NEW PANVEL
Plot No. 267, 268, Sector-10, New Panvel,
Navi Mumbai-410206 (Maharashtra).
Phone 022-27468211, 27451793, 27482276
E-mail – davnewpanvel@gmail.com, www.davnewpanvel.com

PRACTICE PAPER FOR
II PREPARATORY EXAMINATION 2015-2016
STD:- IX

Sub: - Hindi — **Time: - 3 Hours**
Date: - — **Marks: - 90**

निर्देशः
1 इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं- क, ख, ग और घ।
2 चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है
3 यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड 'क' (अपठित बोध)

1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

शुक्ल जी हिन्दी साहित्य के कीर्तिस्तंभ हैं।हिन्दी में वैज्ञानिक आलोचना का सूत्रपात उन्हीं के द्वारा हुआ।तुलसी, सूर और जायसी की जैसी निष्पक्ष, मौलिक और विद्वत्तापूर्ण आलोचनाएँ उन्होंने प्रस्तुत की, वैसी अभी तक कोई नहीं कर सका।शुक्ल जी की ये आलोचनाएँ हिन्दी साहित्य की अनुपम विधियाँ हैं।निबंध के क्षेत्र में शुक्ल जी का स्थान बहुत ऊँचा है। वे श्रेष्ठ और मौलिक निबंधकार थे। हिन्दी में गद्य- शैली के सर्वश्रेष्ठ प्रस्थापकों में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी का नाम सर्वोपरि है। उन्होंने अपने दृष्टिकोण से भाव, विभाव,रस आदि की पुर्नव्याख्या की, साथ- ही- साथ विभिन्न भावों की व्याख्या में उनका पांडित्य, मौलिकता और सूक्ष्म पर्यवेक्षण पग- पग पर दिखाई देता है।हिन्दी की सैद्धांतिक आलोचना को परिचय और सामान्य विवेचन के धरातल से उपर उठाकर गंभीर स्वरूप प्रदान करने का श्रेय शुक्ल जी को ही है।'काव्य में रहस्यवाद' निबंध पर उन्हें हिन्दुस्तानी अकादमी से 500 रूपये का तथा 'चिंतामणि' पर हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा 1200 रूपये का 'मंगला प्रसाद पारितोषिक' प्राप्त हुआ था।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए। 5

क) शुक्ल जी से इस गद्यांश में तात्पर्य है-
1 आचार्य रमाशंकर शुक्ल 2 आचार्य रमाचंद्र शुक्ल
3 आचार्य देवेंद्र शुक्ल 4 आचार्य वागीश शुक्ल

ख) शुक्ल जी ने निम्नलिखित में से किस कवि की विद्वत्तापूर्ण आलोचना नहीं की?
1 सूरदास 2 रहीमदास
3 तुलसीदास 4 मलिक मोहम्मद जायसी

ग) शुक्ल जी को लेखक ने हिन्दी साहित्य का कीर्तिस्तंभ कहा है, क्योंकि-
1 शुक्ल जी हिन्दी के बहुत अच्छे अध्यापक थे।
2 शुक्ल जी ने हिन्दी साहित्य की प्रत्येक विधा -आलोचना, निबंध, साहित्य का इतिहास, काव्यशास्त्र सभी विषयों पर गंभीर लेखन किया था।
3 शुक्ल जी प्रसिद्ध आलोचक थे।
4 शुक्ल जी एक प्रसिद्ध निबंधकार थे।

घ) 'मंगला प्रसाद पारितोषिक' शुक्ल जी को किस कार्य के लिए मिला?

1 रस, भाव, विभाव आदि की पुस्तक पर

2 तुलसी, सूर और जायसी की विद्वत्तापूर्ण आलोचना पर

3 'काव्य' में रहस्यवाद निबंध पर

4 निबंध की प्रसिद्ध पुस्तक 'चिंतामणि' पर

ङ) सैद्धांतिक शब्द में सही प्रत्यय है -

1 तिक 2 इक

3 धांतिक 4 सै

2 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए।** 5

छिप- छिप अश्रु बहाने वालों, मोती व्यर्थ बहाने वालों
कुछ सपनों के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता है ।
सपना क्या है, नयन सेज का
सोया हुआ आँख का पानी
और टूटना है उसका ज्यों
जागे कच्ची नींद जवानी
गीली उमर बनाने वालों, डूबे बिना नहाने वालों
कुछ पानी के बह जाने से, सावन नहीं मरा करता है।
खोता कुछ भी नहीं यहाँ पर
केवल जिल्द बदलती पोथी
जैसे रात उतार चाँदनी
पहने सुबह धूप की धोती
वस्त्र बदलकर आने वालों, चाल बदलकर जाने वालों
चंद खिलौनों के खोने से, बचपन नहीं मरा करता है।
लाखों बार गगरियाँ फूटीं,
शिकन न आई पर पनघट पर
लाखों बार किश्तियाँ डूबीं,
चहल- पहल वो ही है तट पर
तम की उमर बढ़ाने वालों, लौ की आयु घटाने वालों
लाख करे पतझड़ कोशिश पर, उपवन नहीं मरा करता है।

क) 'कुछ सपनों के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता है' पंक्ति से तात्पर्य है-

1 कुछ लोगों के मर जाने से सारा संसार नहीं मर जाता

2 कुछ सपने टूट जाने से कुछ नहीं होता

3 कुछ कार्य और आशाएँ पूरी न भी हो तो भी जीवन नष्ट नहीं होता

4 तीनों में से कोई नहीं

ख) 'अश्रु'की उपमा कवि ने किससे की है?

1 जल से 2 मोती से

3 सपनों से 4 जीवन से

ग) 'खोता कुछ भी नहीं यहाँ पर, केवल जिल्द बदलती पोथी' पंक्ति से तात्पर्य है-

1 कुछ भी नहीं नष्ट होता केवल पुस्तक पर नई जिल्द चढ़ाई जाती है।

2 पोथी तो वैसी की वैसी रहती है केवल उसकी जिल्द बदल देते हैं।

3 आत्मा अमर है वह नष्ट नहीं होती,वह केवल शरीर बदाल लेती है।

4 मनुष्य केवल अपने रंग- रूप को बदलता रहता है, मूल में तो वह वही रहता है।

घ) इस कविता का मूल आशय है-

1 संसार नष्ट हो जाने वाली वस्तु है और जो नष्ट होता है, वह फिर से जन्म ले लेता है।

2 शरीर नष्ट हो जाते हैं, आत्मा कभी नष्ट नहीं होती, वह नाम- रूप बदलती रहती है।

3 संसार परिवर्तनशील है।

4 प्रकृति निरंतर परिवर्तनशील है, जो पुराना हो गया है, उसे फेंक देती है और नया रूप प्रदान कर देती है।

ङ) 'तम' का अर्थ है-

1 प्रकाश　　　　2 अँधेरा

3 उजाला　　　　4 धूप

खण्ड 'ख' **'व्यवहारिक व्याकरण'**

3 **क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए।** 2

1 शक्तिशाली　　　　2 उच्चारण

ख) कन्कड़ शब्द में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए। 1

ग) सवारना शब्द में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द दोबारा लिखिए। 1

घ) जोरदार शब्द में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए। 1

4 **क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए।** 2

1 यथा + इष्ट　　　　2 महा + ओजस्वी

ख) निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए। 2

1 लघूत्सव　　　　2 गजानन

5 **क) निम्नलिखित शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द व उपसर्ग अलग कीजिए ।** 1

लाइलाज

ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए। 2

1 धार्मिक　　　　2 मनुष्यत्व

ग) निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्न लगाइए। 3

1 पूस की रात कहानी का क्या उद्देश्य है

2 मित्रो आज मैं आपसे विदा ले रहा हूँ

3 प्रेमचंद का गोदान ग्राम जीवन की सजीव झाँकी प्रस्तुत करता है

खण्ड ग **'पाठ्य- पुस्तक'**

6 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

क) 'देश में धर्म की धूम है' से लेखक का क्या आशय है ? 2

ख) गाँधी जी ने महादेव को अपना वारिस कब कहा था ? 2

ग) समुद्र को देखकर रामन् के मन में कौन- सी दो जिज्ञासाएँ उठी ? 1

7 आशय स्पष्ट करें। 5

देश और दुनियाँ को मुग्ध करके शुक्रतारे की तरह ही अचानक अस्त हो गए।

8 **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

हमारा अन्न कीचड़ से ही पैदा होता है, इसका जाग्रत भान यदि हर एक मनुष्य को होता तो वह कभी कीचड़ का तिरस्कार न करता। एक अजीब बात तो देखिए। पंक शब्द घृणास्पद लगता है, जबकि पंकज शब्द सुनते ही कवि लोग डोलने और गाने लगते हैं।

मल बिलकुल मलिन माना जाता है, किन्तु कमल शब्द सुनते ही चित्त में प्रसन्नता और आह्लादकत्व फूट पड़ते हैं। कवियों की ऐसी युक्तिशून्य वृत्ति उनके सामने हम रखें तो वे कहेंगे कि ''आप वासुदेव की पूजा करते हैं, इसलिए वसुदेव को तो नही पूजते, हीरे का भारी मूल्य देते हैं,किन्तु कोयले या पत्थर का नही देते और मोती को कंठ में बाँधकर फिरते हैं, किंतु उसकी मातुश्री को गले में नहीं बाँधते!''कम-से-कम इस विषय पर कवियों के साथ तो चर्चा न करना ही उत्तम!

1 हमारा अन्न कहाँ से पैदा होता है? 1

2 पंकज शब्द सुनते ही कवि लोग डोलेन और गाने लगते हैं क्यों? 2

3 कवि कीचड़ के विरोध में क्या क्या तर्क देते हैं? 2

9 **पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

क) 'माँग मत','कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार- बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता ह? 2

ख) जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है वहाँ का माहौल कैसा है? 2

ग) बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की? 1

10 'गीत- अगीत' के केन्द्रीय भाव को लिखिए। 5

11 'हामिद खाँ' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या समझाने का प्रयास किया है? 5

खण्ड घ 'लेखन'

12 **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** 5

क) मजहब नही सिखाता आपस में बैर रखना

1 भारत में विभिन्न धम
2 स्वार्थी तत्वों द्वारा धर्म का इस्तेमाल
3 राजनीति द्वारा धर्म का उपयोग
4 सांप्रदायिक सौहार्द-जनता द्वारा

ख) बेचारा बचपन

1 सिमटते परिवार
2 बच्चों का एकाकी पन
3 माता- पिता की व्यस्तता

ग) यात्रा जिसे मैं भुला नहीं पाता

1 कहाँ की यात्रा
2 विशेष घटना का वर्णन
3 अविस्मरणीय क्यों

13 विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह का वर्णन करते हुए पिता जी को पत्र लिखिए। **5**

14 दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए। **5**

15 गृह कार्य न कर पाने के कारण छात्र और अध्यापक के बीच संवाद लिखें। **5**

16 हिन्दी के छात्रों के लिए 'विशेष हिन्दी व्याकरण' बाजार में आई है। छात्रों को आकर्षित करने के लिए **20 - 25** शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **5**

ओ.बी.टी (मुक्त पाठ)आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

17 आधुनिकता की दौड़ में आज हम किस प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन कर रहे है? उनसे होने वाले हानियों को अपने शब्दों में लिखें। **5**

18 कार्बोनेट पेय का सेवन बच्चों के सुनहरे भविष्य में किस प्रकार रूकावट बन सकता है? **5**

-----------x x x-----------